खबर संक्षेप

कलेक्टर ने प्रयोगशाला परिचायक के पद हेतु अमन को सौंपा नियुक्ति पत्र

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में वार्ड क्रमांक 27, सिंहपुर रोड निवासी अमन अली को प्रयोगशाला परिचायक के पद हेतु अनुकम्पा नियुक्ति पत्र सौंपा। कलेक्टर ने उन्हें अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी, लगन एवं समर्पण भाव से करने की समझाइश देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा, सहायक संचालक खेल रईस अहमद, अनवर अली एवं मोहम्मद अब्बास उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि बुढार विकासखंड के शासकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय बिरुहुली में पदस्थ सहायक शिक्षक स्वर्गीय श्री अनवर अली का सेवाकाल के दौरान आकस्मिक निधन हो गया था।

वाहनों की सघन जांच हेतु चलाया गया अभियान

शहडोल। सुरक्षित यातायात, सुरक्षित जीवन पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के निर्देशानुसार यातायात प्रभारी संजय जायसवाल द्वारा जयसिंहनगर बस स्टैंड में वाहनों की सघन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान बिना वैध परमिट संचालित बस जप्त कर 17,000 रुपए का चालानी कार्यवाही की गई। साथ ही दो पहिया वाहन चालकों की हेल्मेट की चेकिंग कर उन्हें हेल्मेट लगाने एवं यातायात नियमों का पालन करने हेतु समझाइश दी गई।

बुजुर्ग किसान को बंधक बनाकर पीटने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। शहर में तथाकथित गोरक्षक के चोले में घूम रहे गुंडा तत्वों का सनसनीखेज कारनामा सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी, मारपीट, अपहरण और अवैध वसूली करने वाले तीन शातिर आरोपियों को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपियों में से एक रईसजादा तो कमिश्नर बंगले के ठीक सामने का रहने वाला है, जिसने अपने साथियों के साथ मिलकर एक 64 वर्षीय बुजुर्ग और उसके मजदूरों को लहूलुहान कर दिया। घटना 22 जून की रात करीब 10 बजे की है। पांडवनगर निवासी बुजुर्ग किसान नारेश्वर प्रसाद पनिका अपने तीन पालतू बैलों को खेती-किसानी के काम के लिए पिकअप वाहन से अनूपपुर के सिलवारी गांव भेज रहे थे। इसी बीच कार से आए तीन बदमाशों ने खुद को गोरक्षक बताते हुए बुजुर्ग को घेर लिया। उन्होंने मवेशी तस्करी का झूठा आरोप मढ़ते हुए 50 हजार रुपये की अड़ीबाजी शुरू कर दी। जब बुजुर्ग किसान ने पैसे देने से इनकार किया, तो इन फर्जी गोरक्षकों के अंदर का भेड़िया बाहर आ गया। आरोपियों ने रॉड, डंडे और लात-घूंसों से बुजुर्ग और उनके मजदूरों को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। इतने से भी मन नहीं भरा तो बदमाशों ने सभी को जबरन गाड़ी में ठूंसा और अडना नदी के पास एक सुनसान फार्म हाउस में ले जाकर बंधक बना लिया। वहां डरा-धमकाकर उनके मोबाइल और जेब में रखे सारे पैसे लूट लिए गए। बुजुर्ग की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए घेराबंदी की और वारदात को अंजाम देने वाले तीनों आरोपियों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों के नाम अनुज सिंह कमिश्नर बंगले के सामने, आशुतोष चतुर्वेदी एमपीईबी ऑफिस के पीछे और राजेश उर्फ रजौले बैगा हाथीडोल, बुढ़ार हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ अपहरण, डकैती और अवैध वसूली जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

अमन-चैन से निकलेगा ताजिया जुलूस

शहडोल। आगामी मोहर्रम पर्व को जिले में पूरी अकीदत, आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए शहडोल पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसी सिलसिले में जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकों का दौर आयोजित किया गया। इन बैठकों में पुलिस अधिकारियों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं और ताजिया कमेटियों के सदर व सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान सभी से मोहर्रम पर्व को पारंपरिक रीति-रिवाजों और आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई। इस दौरान कानून-व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए ताजिया जुलूस के मार्गों, यातायात डायवर्जन और सुरक्षा घेरे को लेकर चर्चा की गई। साथ ही, जुलूस के रास्तों में बिजली के लटकते तारों को कसने और साफ-सफाई जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश जारी किए गए।

1.01 करोड़ का डाका डालने वाले भ्रष्टाचारी पूर्व बीईओ अशोक शर्मा सेवा से बर्खास्त!

2.08 करोड़ की वसूली का आदेश

कोर्ट की आड़ में बचने की तमाम कोशिशें नाकाम

हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट से लगा था तगड़ा झटका

शहडोल।

प्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग मंत्रालय ने भ्रष्टाचार और वित्तीय डकैती के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक नजीर पेश की है। जिले के बुढार विकासखंड में प्रभारी बीईओ विकासखंड शिक्षा अधिकारी रहते हुए करोड़ों रुपये का वारा-न्यारा करने वाले और वर्तमान में उमरिया जिले के पाली उत्कृष्ट विद्यालय में पदस्थ व्याख्याता अशोक कुमार शर्मा को शासकीय सेवा से पदच्युत (डिसमिस) कर दूध में से मक्खी की तरह बाहर फेंक दिया गया है । शासकीय धन का ऐसा दुरुपयोग शहडोल संभाग के इतिहास में विरला ही है । विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इस दागी अधिकारी ने न केवल सरकार की साख मिट्टी में मिलाई, बल्कि गरीब आदिवासी बच्चों के हक की छात्रवृत्ति तक डकार ली । शासन ने इन्हें सेवा से बाहर करने के साथ ही इनके काले कारनामों से हुए नुकसान की भरपाई के लिए दो करोड़ आठ लाख रुपये से अधिक की रिकवरी (वसूली) का डंडा भी चला दिया है ।

6 अलग-अलग खातों में जमा की गबन की राशि!

आरोपी अशोक कुमार शर्मा ने 02 जून 2014 से 03 फरवरी

मालिक पर भारी मुलाजिम को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

1 करोड़ के गबन का मामला करो री-स्टैंड: सुको

करोड़ों का गबन, 1 करोड़ प्रमाणित, एफआईआर को भटक रही सरकार

पुनर्जीवित हुआ मामला

यह है शर्मा जी का इतिहास

2020 के अपने बुढार कार्यकाल के दौरान सक्षम प्राधिकारियों की अनुमति के बिना किसी शातिर अपराधी की तरह बैंकों का जाल बिछाया । श्री शर्मा ने बीईओ बुढार के नाम से 3 खाते, प्रबंधक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र के नाम से 1 खाता, कन्या शिक्षा परिसर बुढार के प्रभारी रहते हुए 1 खाता और जैतपुर व्यावसायिक प्रशिक्षण का 1 खाता, यानी कुल 6 अलग-अलग बैंकों में फर्जी तरीके से खाते खोलकर एक करोड़ एक लाख बहत्तर हजार एक सौ छिहत्तर का सीधा गबन किया। स्थानीय बैंक होने के बावजूद नियमों को ताक पर रखकर जैतपुर सेंट्रल बैंक में दूसरा खाता खोलना इनके इरादों को साफ बयां करता है ।

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने दबोचा

इस महाघोटाले के उजागर होने पर पुलिस थाना बुढार में आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 409, 420, 467, 468, 471 के तहत एफआईआर क्रमांक 493/2021 दर्ज की गई थी । शहडोल कमिश्नर ने तत्काल प्रभाव से 16 जून 2021 को इन्हें सस्पेंड कर दिया था । शातिर अधिकारी ने खुद को बेदाग साबित करने के लिए जबलपुर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां से 10 मई 2022 को तकनीकी खामियों का लाभ उठाकर एफआईआर निरस्त कराने में वे सफल भी हो गए थे, लेकिन कहते हैं कि कानून के हाथ लंबे होते हैं। सूबे की सरकार इस भ्रष्टाचारी को छोडऩे के मूड में नहीं थी। राज्य शासन ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ देश की सबसे बड़ी अदालत— माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट), नई दिल्ली में क्रिमिनल अपील दायर कर दी। सर्वोच्च न्यायालय ने 12 फरवरी 2025 को हाईकोर्ट के फैसले को पूरी तरह पलटते हुए तीखी टिप्पणी की कि हाईकोर्ट ने बिना जांच का अवसर दिए मिनी-ट्रायल जैसा रवैया अपनाया, जबकि शिकायत के तथ्य साफ तौर पर अपराध की पुष्टि करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के हरी झंडी देते ही विभागीय जांच का फंदा अशोक शर्मा के गले में पूरी तरह कस गया ।

30 जून को होना था रिटायर

इस भ्रष्टाचारी अधिकारी की चालाकी देखिए, आरोपी अशोक शर्मा आगामी 30 जून 2026 को अपनी शासकीय सेवा से सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त (रिटायर) होने वाले थे । वे इस फिराक में थे कि किसी तरह 7 दिन और कट जाएं ताकि वे पेंशन और फंड के सरकारी पैसों पर डाका डाल सकें, लेकिन प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग ने 22 दिसंबर 2025, 12 जनवरी 2026 और 23 फरवरी 2026 को व्यक्तिगत सुनवाई का पूरा मौका देते हुए उनके तमाम झूठ और प्रतिवाद उत्तरों को कूड़े के ढेर में फेंक दिया । मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर से 18 जून 2026 को अंतिम परामर्श और सहमति मिलते ही शासन ने एक्शन लिया । राज्यपाल के नाम से जारी आदेश के तहत एमपी सिविल सेवा नियम 1966 के तहत अशोक कुमार शर्मा को हमेशा-हमेशा के लिए शासकीय सेवा से डिसमिस कर दिया गया है । इतना ही नहीं, उनकी निलंबन अवधि 16 जून 2021 से 03 अप्रैल 2023 को भी कर्तव्य अवधि मानने से साफ इनकार कर दिया गया है, यानी इस अवधि का फूटी कौड़ी भी उन्हें नसीब नहीं होगा ।

खेत तालाब योजना में 1 लाख के गबन का संगीन आरोप

25 हजार की रिश्वत देकर मिली थी मंजूरी

शहडोल।

भ्रष्टाचार की दीमक सरकारी योजनाओं को किस तरह खोखला कर रही है, इसका एक और घिनौना चेहरा ग्राम पंचायत सरसी में सामने आया है। यहां खेत तालाब योजना की आड़ में ग्रामीणों के हक पर डाका डालने का एक बेहद सनसनीखेज मामला उजागर हुआ है। तत्कालीन सचिव जितेन्द्र सिंह रघुवंशी और वर्तमान सरपंच पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी मस्टरोल और कागजी हेरफेर के जरिए एक गरीब किसान की स्वीकृति राशि में से 1 लाख रुपये की मोटी रकम अवैध रूप से ठिकाने लगा दी। इस महाघोटाले से तंग आकर ग्राम सरसी (थाना पपौंध) के पीड़ित किसान अक्षय कुमार पिता नत्थू लोनी ने न्याय की गुहार लगाते हुए सीधे शहडोल कलेक्टर के सामने अपनी आपबीती रखी है।

पीड़ित अक्षय कुमार ने शिकायती पत्र में बेहद चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि अपने ही खेत में तालाब मंजूर कराने के लिए उसे पहले सचिव को 25 हजार की रिश्वत देनी पड़ी थी। मंजूरी मिलने के बाद पीड़ित के परिवार

बहादुर लोनी, अक्षय, गीता, देवकी और नंदनी ने दिन-रात एक करके तालाब की खुदाई का काम शुरू किया। मेहनत के एवज में परिवार को कुल 61,450 की मजदूरी तो मिली, लेकिन असली खेल इसके बाद खेला गया। आरोप है कि दबंग सचिव और सरपंच ने मिलकर बाकी की बची 1 लाख की राशि को डकारने के लिए फर्जी मजदूरों के नाम पर फर्जी हाजिरी भरी और सरकारी खजाने से सीधे पैसे आहरित कर अपनी जेबें गरम कर लीं।

हद तो तब हो गई जब पीड़ित अपनी इस गाढ़ी कमाई के लिए जनपद पंचायत सीईओ के दफ्तर चक्कर काटने लगा। न्याय देने के बजाय सीईओ ने अपनी कुर्सी की हनक दिखाते हुए पीड़ित को दो टूक कह दिया तुम कहीं भी चले जाओ, तुम्हारा बकाया पैसा नहीं मिलेगा! जिससे शिकायत करनी है करो, जिसके पास जाना है जाओ, सीईओ के इस गैर-जिम्मेदाराना और संवेदनहीन रवैये से निराश होकर पीड़ित 8 जून 2026 को ब्यौहारी विधानसभा विधायक के पास पहुँचा। विधायक ने तत्काल फ़ोन पर सीईओ को फटकार लगाते हुए गरीब का पैसा लौटाने के निर्देश दिए। फ़ोन पर तो साहब ने हां कह दिया, लेकिन हकीकत यह है कि आज तक पीड़ित के खाते में फूटी कौड़ी नहीं आई।

आला अफसरों की मिलीभगत और सिस्टम से प्रताड़ित होकर आखिरकार पीड़ित अक्षय कुमार ने 23 जून 2026 को कलेक्टर के दरबार में दस्तक दी है। मनरेगा के पक्के सबूतों और स्टेटमेंट के साथ सौंपे गए इस आवेदन में मांग की गई है कि भ्रष्ट सचिव और सरपंच के खिलाफ तत्काल कानूनी एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए और गरीब किसान के हक का 1 लाख वापस दिलाया जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इन भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसता है या मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

कैंटीन कर्मी को बेरहमी से पीटा, सोने की रुद्राक्ष माला लूटी

न्याय के लिए पीड़ित पहुंचा पुलिस अधीक्षक के दरबार

शहडोल।

जिला मुख्यालय के रेलवे स्टेशन पर कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए दबंगों द्वारा सरेआम खूनी तांडव मचाने का मामला सामने आया है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 2 पर स्थित कैंटीन में कार्यरत एक कर्मचारी पर जानलेवा हमला कर उसे मरणासन्न कर दिया गया और उसके गले से सोने की कीमती रुद्राक्ष माला झपट ली गई। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद जहां रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, वहीं स्थानीय रेल थाना पुलिस (जीआरपी) की भूमिका भी कटघरे में है। पीड़ित नंदलाल सिंह उम्र 38 वर्ष पिता हरिमोहन सिंह, जो वर्तमान में वार्ड नंबर 39 भुईबांध (शहडोल) के निवासी हैं, रेलवे स्टेशन शहडोल के प्लेटफार्म नंबर 2 पर बनी कैंटीन में काम कर अपना जीवन-यापन करते हैं। रोज की तरह वे अपनी ड्यूटी पर तैनात थे, तभी 22 जून 2026 की दरमियानी रात लगभग 12:30 बजे बलपुरवा बस स्टैंड क्षेत्र के शातिर और बेखौफ बदमाशों ने कैंटीन पर धावा बोल दिया।

बताया जा रहा है कि बलपुरवा बस स्टैंड निवासी कुलदीप चौथा, अनिल लालवानी और विवेक कुशवाहा नामक युवकों ने किसी पुरानी रंजिश या फिर सरेराह गुंडागर्दी के इरादे से नंदलाल सिंह को घेर लिया। आरोपियों ने बिना किसी उकसावे के पीड़ित के साथ बर्बरतापूर्वक मारपीट शुरू कर दी। लात-घूंसों और लोहे की छड़ों से किए गए इस हमले में नंदलाल के शरीर पर गंभीर और जानलेवा चोटें आईं। खून से लथपथ पीड़ित जब अपनी जान बचाने की भीख मांग रहा था, तभी हमलावरों ने उसके गले में पहनी हुई सोने की गुरिया युक्त रुद्राक्ष माला को झपट्टा मारकर छीन लिया और मौके से फरार हो गए।< हमले की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पीड़ित को तत्काल कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराना पड़ा, शारीरिक रूप से गंभीर रूप से घायल होने के साथ-साथ पीड़ित गहरे मानसिक सदमे में है, लेकिन हद तो तब हो गई जब इस गंभीर वारदात की जानकारी तत्काल रेलवे थाना (जीआरपी) को दिए जाने के बावजूद, पुलिसिया सुस्ती और लापरवाही के चलते मामले में कोई प्रभावी एक्शन नहीं लिया गया। पीड़ित का आरोप है कि रेल पुलिस ने न तो समय पर विधिवत प्राथमिकी दर्ज की और न ही आरोपियों को पकडऩे के लिए कोई तत्परता दिखाई। जीआरपी की इस ठंडी कार्यप्रणाली के कारण बेखौफ घूम रहे आरोपियों के हौसले बुलंद हैं और वे पीड़ित व उसके परिवार को लगातार डरा-धमका रहे हैं। न्याय में हो रहे अनावश्यक विलंब और स्थानीय पुलिस के रवैये से तंग आकर आखिरकार पीड़ित ने अपने परिजनों के माध्यम से पुलिस अधीक्षक के समक्ष गुहार लगाई है।

पीड़ित ने एसपी को सौंपे शिकायती पत्र में मांग की है कि प्लेटफार्म नंबर 2 और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को तत्काल प्रभाव से सुरक्षित कराया जाए, ताकि वारदात की पूरी सच्चाई और आरोपियों की बर्बरता कैमरे में साफ तौर पर सामने आ सके। इसके साथ ही पीड़ित ने मामले में तत्काल नामजद एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी, लूटी गई माला की बरामदगी और कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त विभागीय जांच की मांग की है।

रसूखदार ने आदिवासी की भूमि पर किया कब्जा

कलेक्टर की चौखट पर पहुंची पीड़िता रानी कोल

फर्जी तरीके से नामांतरण कराने और पेड़ काटने का गंभीर आरोप

शहडोल।

जिले के थाना देवलौंद अंतर्गत आने वाले ग्राम धरी नं. 2 में भू-माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए सरेआम आदिवासियों की पुश्तैनी संपत्तियों पर डाका डाल रहे हैं। ताजा मामला रसूखदार दिग्विजय सोनी और उसके गुर्गों की दबंगई का सामने आया है, जिन्होंने न केवल एक पीड़ित आदिवासी महिला की पुश्तैनी कृषि भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने का दुस्साहस किया, बल्कि विरोध करने पर उसे सरेराह जातिसूचक शब्दों से अपमानित कर जान से मारने की खौफनाक धमकी भी दे डाली।

न्याय की आस में भटक रही पीड़िता रानी कोल पति स्व. जमुना प्रसाद कोल ने अब सीधे कलेक्टर की चौखट पर दस्तक देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई और तत्काल एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई है।

कलेक्टर को सौंपे गए शिकायती पत्र के अनुसार, पूरा विवाद ग्राम धरी नं. 2 (तहसील ब्यौहारी) स्थित खसरा नंबर 309

की पुश्तैनी कृषि भूमि से जुड़ा हुआ है। पीड़िता रानी कोल का आरोप है कि बीते 13 जून 2026 को क्षेत्र के रसूखदार दिग्विजय सोनी ने अपने स्थानीय सहयोगियों के साथ मिलकर उसकी और अन्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों की बेशकीमती जमीनों को हड़पने की नीयत से उस पर धावा बोल दिया। आरोपियों ने पूरी तरह सुनियोजित साजिश के तहत बिना किसी सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के जमीन पर लगे हरे-भरे और कीमती पेड़ों को जबरन काटना शुरू कर दिया। जब इस अवैध कटाई और बेजा कब्जे का विरोध करने पीड़िता और अन्य आदिवासी समाज के लोग मौके पर पहुंचे, तो आरोपियों ने अपनी औकात दिखाते हुए उन्हें चारों तरफ से घेर लिया।

पीड़िता ने प्रशासन के सामने केवल कोरी शिकायत नहीं की है, बल्कि आरोपियों की गुंडागर्दी का लाइव वीडियो साक्ष्य भी पेश किया है। शिकायत के साथ एक पेन ड्राइव और सीडी संलग्न की गई है, जिसमें आरोपियों की पूरी करतूत, अवैध पेड़ कटाई और गाली-गलौज का पुख्ता वीडियो साक्ष्य मौजूद है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि इसे भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 की धारा 63 के तहत इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में रिकॉर्ड पर लेकर तुरंत कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। कानूनी जानकारों के मुताबिक, नियमों के तहत बिना कलेक्टर की पूर्व अनुमति के किसी भी आदिवासी की जमीन का गैर-आदिवासी के नाम हस्तांतरण या नामांतरण पूरी तरह अवैध है। इसके बावजूद भू-माफिया फर्जी दस्तावेज तैयार कर सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी करने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। पीड़िता ने स्पष्ट किया है कि इस पूरे मामले के चश्मदीद गवाह मधुस कोल पिता मल्लू कोल, निवासी ग्राम जनकपुर हैं, जिन्होंने अपनी आंखों से रसूखदारों के इस खेल को देखा है।

पीड़िता ने बेहद आक्रामक लहजे में प्रशासनिक तंत्र को चेताते हुए कहा है कि जब वे अपनी ही जमीन की रक्षा के लिए आगे बढ़े, तो दिग्विजय सोनी ने उनके साथ अभद्रता की। आरोपियों ने सरेआम जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर पूरे समाज को कलंकित करने की कोशिश की और चीखते हुए कहा कि अगर दोबारा जमीन की तरफ दिखे, तो जान से मार दिए जाओगे। इस घटना से सहमे लेकिन न्याय के लिए अड़े आदिवासी परिवार ने मामले में सीधे भारतीय न्याय संहिता 2023 और अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की है।

सीवर लाइन कंपनी की लापरवाही से जनता में आक्रोश

रीवा रोड-पुलिस लाइन मार्ग को खोदकर भागे कर्मचारी

शहडोल।

शहर में विकास के नाम पर विनाश का खेल जारी है। सीवर लाइन डालने वाली कंपनी की घोर लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैया अब आम जनता के लिए जी का जंजाल बन चुका है। ताजा मामला रीवा रोड स्थित मदन एजेंसी के बगल से पुलिस लाइन को जोडऩे वाले मार्ग का है, जहां सीवर कंपनी के ठेकेदारों ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए बीच सडक़ पर 20 फीट से अधिक गहरा और चौड़ा जानलेवा गड्ढा खोद दिया। हद तो यह है कि इस डेथ ट्रैप को खुला छोडक़र जिम्मेदार कर्मचारी मौके से रफूचक्कर हो गए हैं।

वार्ड क्रमांक 11/15 की इस वीरान पड़ी सडक़ के कारण करीब 40 से अधिक परिवारों का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह कट गया है। स्थानीय निवासी प्रकाश सोनी (एडवोकेट) ने तीखा आक्रोश जताते हुए बताया कि दो दिन पहले जेसीबी से पूरी सडक़ को छलनी कर दिया गया, लेकिन उसके बाद काम बंद है। जो सफर महज कुछ कदमों का था, अब स्थानीय रहवासियों, मासूम स्कूली बच्चों और लाचार बुजुर्गों को एक किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर जाना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय व्यवसायी मंजूर अली का दर्द छलका कि उनकी दुकान सडक़ के एक तरफ है और घर दूसरी तरफ। कंपनी ने पैदल चलने तक का रास्ता नहीं छोड़ा है,

जिससे पूरा व्यापार और दिनचर्या ठप हो चुकी है।

इस घोर लापरवाही से आक्रोशित वार्डवासियों ने सीवर कंपनी के आला अधिकारियों को दोटूक चेतावनी दी है। जनता की मांग है कि अधिकारी तत्काल मौके पर आकर कम से कम पैदल निकलने का अस्थाई रास्ता बहाल करें और लिखित में दें कि इस नरक से मुक्ति कब मिलेगी? स्थानीय लोगों ने साफ लफ्जों में प्रशासन को चेताया है कि यदि जल्द ही इस गड्ढे को भरकर मार्ग दुरुस्त नहीं किया गया, तो वे सडक़ों पर उतरकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

खबर संक्षेप

आवश्यकतानुसार डीजल एवं पेट्रोल की जा रही आपूर्ति

उमरिया। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि उमरिया जिले में आईओसीएल के 9, बीपीसीएल के 15, एचपीसीएल के 7 एवं नायरा के 5 कुल 36 पेट्रोल डीजल पम्प संचालित है। जिले में संचालित पेट्रोल डीजल पम्प के प्रोपा., संचालक, एवं मैनेजरों को अपने पेट्रोल पम्प प्रतिष्ठान में पेट्रोल डीजल की पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्धता बनाये रखने एवं उपभोक्ताओं को अपने पेट्रोल पम्पों से डीजल एवं पेट्रोल की प्रतिदिन निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये गये है । साथ ही ऑयल कंपनियों के विक्रय अधिकारियों को जिले में पेट्रोल डीजल में पेट्रोल डीजल पंम्पों की डिमांग अनुसार आपूर्ति कराने के लिये निर्देशित किया गया है। जिले में राजस्व, एवं खादय विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले में संचालित सभी पेट्रोल डीजल की पेट्रोल, डीजल की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त कर समीक्षा की जा रही है एवं जिले में सुगमतापूर्वक पेट्रोल, डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जा रही है। उन्होने बताया कि उमरिया जिले में उपरोक्त संचालित पेट्रोल डीजल पम्पों पर 23 जून 2026 की स्थिति में पेट्रोल 137 के.एल एवं डीजल 138 के.एल का स्टॉक उपलब्ध है एवं प्रतिदिन उपभोक्ताओं को पेट्रोल पम्पों से आवश्यकतानुसार डीजल एवं पेट्रोल की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जा रही है ।

मां तुझे प्रणाम योजना के तहत चयनित युवतियों ने किया ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण

उमरिया। मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत उमरिया जिले की चयनित युवतियों ने अनुभव यात्रा के तहत प्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक स्थलों सांची, भीमबेटका एवं पचमढ़ी, होशंगाबाद का सेठानी घाट, भोजपुर का भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान तथा प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में जानकारी विकसित करना है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल तथा युवा कल्याण अधिकारी आलोक कुमार शर्मा ने बताया कि योजना के तहत उमरिया जिले से चयनित अनन्या तोमर, आंशिका पटेल, दीपाली सिंह, अस्मिता पटेल, श्रुति पटेल एवं अंजलि विश्वकर्मा ने इस विशेष अनुभव यात्रा में भाग लिया। भ्रमण के दौरान युवतियों ने सांची स्तूप की ऐतिहासिक महत्ता, भीमबेटका की प्राचीन शैलचित्र कला तथा पचमढ़ी की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों ने बताया कि यह यात्रा उनके लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रही। उन्हें प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, इतिहास और प्राकृतिक धरोहरों को निकट से जानने का अवसर मिला। युवतियों ने इस अभिनव योजना के लिए मध्य प्रदेश शासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी यात्राएं युवाओं के व्यक्तित्व विकास तथा राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल

कोतमा। नगर में लगातार कई दिनों से बारिश नहीं होने से तेज धूप के कारण उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। मंगलवार को सुबह से बादलों की लुकाछिपी एवं आवाजाही और रिमझिम बारिश के बावजूद उमस भरी गर्मी बनी हुई है। मंगलवार को लगभग बारह बजे हल्की बारिश होने से ठंडक आने के बजाय हवा में नमी बढ़ गई है, जिससे तापमान सामान्य बना हुआ है और लोगों को असली गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। सुबह से ही आंशिक रूप से बादल छाए हुए थे। दिन का अधिकतम तापमान लगभग 35 तक पहुंच गया है। उमस के कारण हवा में नमी लगभग 55 के करीब है।

सरपंच-सचिव और इंजीनियर की तिकड़ी पर उठ रहे गंभीर सवाल

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी ग्राम पंचायत उमरिया

मशीन से बन रही सीसी रोड

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत उमरिया इन दिनों विकास के लिए नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए चर्चा में है। शासन की मंशानुसार ग्रामीणों को रोजगार देने के लिए चलाई जा रही मनरेगा योजना को यहां के नुमाइंदों ने अपनी कमाई का जरिया बना लिया है। धरातल पर पंचायत की नियमावली और सरकारी गाइडलाइंस की धज्जियां उड़ाते हुए खुलेआम शासकीय राशि का बंदरबांट किया जा रहा है।

मस्टर रोल में चमके चहेते

मामला ग्राम पंचायत उमरिया में बन रही सीसी रोड के निर्माण कार्य से जुड़ा है। नियमों के मुताबिक निर्माण कार्यों में स्थानीय मजदूरों को रोजगार देना अनिवार्य है, लेकिन यहां की हकीकत बेहद चौंकाने वाली है। सीसी रोड का निर्माण कार्य धड़ल्ले से भारी मशीनों द्वारा कराया जा रहा है, जबकि कागजों पर मजदूरों की लंबी-चौड़ी फौज खड़ी कर दी गई है। हद तो तब हो गई जब मशीनों से काम करवाकर सरपंच और सचिव द्वारा अपने चहेतों के नाम पर फर्जी हाजिरी चढ़ा दी गई और शासन के रुपयों का खुलेआम आहरण कर लिया गया।

फर्जी हाजिरी तालाब के नाम!

भ्रष्टाचार का यह खेल यहीं नहीं थमा। जानकारी के अनुसार, जब काम सीसी रोड पर मशीन से चल रहा था, तो लेबर की हाजिरी तालाब निर्माण के नाम पर लगाई जा रही थी। यानी, जिस तालाब पर थोड़ा-बहुत काम करवाकर छोड़ दिया गया, उसी तालाब के नाम से 13 जून 2026 से 19 जून 2026 तक फर्जी तरीके से हाजिरी भरकर सरकारी खजाने को चूना लगाया गया। जब मजदूरों ने तालाब पर पैर तक नहीं रखा, तो उनके नाम का भुगतान किसके खाते में गया, यह एक बड़ा और यक्ष प्रश्न है।

चहेतों की फर्जी हाजिरी लगा सरकारी खजाने में डाका!

जातिवाद और भाई-भतीजावाद

सरकारी गाइडलाइन साफ कहती है कि सरपंच अपने बेहद करीबी या परिवार-समाज के लोगों को इस तरह के लाभ नहीं दे सकते, लेकिन उमरिया सरपंच लौकेश कुशवाहा ने सारे नियम-कायदे ताक पर रख दिए हैं। मस्टर रोल में बिना किसी डर के बृजेश काछी, दुर्गाबाई कुशवाहा, हीरालाल कुशवाहा, विनोद कुमार कुशवाहा, लाल काछी, फूलबाई कुशवाहा, लखन काछी, कमलेश कुशवाहा, गोमती बाई कुशवाहा, रामकुमार, रामदुलारे कुशवाहा, रमाबाई कुशवाहा, ओम प्रकाश कुशवाहा, अमृत लाल, पूरण काछी, झल्लू काछी, उमाशंकर और रामशरण जैसे दर्जनों अपने ही समाज व चहेते लोगों के नाम पर फर्जी हाजिरी दर्ज की गई है। इस महाघोटाले के पुख्ता मस्टर रोल नंबर भी अब उजागर हो चुके हैं।

स्टीमेट में मजबूती, धरातल पर खोखलापन

बताया जा रहा है कि इस सीसी रोड का स्टीमेट 10 से 12 लाख रुपये का स्वीकृत हुआ है। स्टीमेट में सामग्री और मजदूरी का बकायदा अलग-अलग बजट निर्धारित होता है ताकि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और मजबूत हो, लेकिन उमरिया में मजबूती सिर्फ कागजों तक सीमित है। बिना किसी खौफ के चल रहे इस फर्जीवाड़े के कारण सडक़ की गुणवत्ता भगवान भरोसे है।

कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से जांच की मांग

सरपंच, सचिव और उपयंत्री (इंजीनियर) की इस त्रिमूर्ति ने मिलकर उमरिया पंचायत को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है। इन्हें न तो कानून का डर है और न ही प्रशासन का भय। अब क्षेत्र की जनता और प्रबुद्ध जनों ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से सीधे गुहार लगाई है। जनता की मांग है कि इस पूरे मामले की मौके पर जाकर विस्तृत और निष्पक्ष जांच कराई जाए, मस्टर रोल का मिलान किया जाए और दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि शासकीय धन का दुरुपयोग रोका जा सके।

घोषणा के डेढ़ वर्ष बाद भी फाइलों में कैद राजा कछार जलाशय परियोजना

वरिष्ठ कार्यालय से अब तक निर्माण की नहीं मिली अनुमति

कोतमा। कोतमा तहसील अंतर्गत ग्रामीण अंचल में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रस्तावित राजा कछार जलाशय परियोजना घोषणा के डेढ़ वर्ष बाद भी धरातल पर नहीं उतर सकी है। वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल की मांग पर इस महत्वाकांक्षी परियोजना की घोषणा की थी, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। योजना लगातार तकनीकी परीक्षण, संशोधन और प्रशासनिक स्वीकृति की प्रक्रियाओं से गुजर रही है, जिस पर अभी तक अनुमति नहीं मिल पाई है। जल संसाधन विभाग द्वारा लगभग 8 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित इस परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार कर 13 फरवरी 2024 को मुख्यालय भेजा गया था। इसके बाद सर्वेक्षण एवं तकनीकी परीक्षण के उपरांत 4 सितंबर 2024 को संशोधित प्रतिवेदन प्रशासनिक स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया गया। जिसके बाद मुख्य अभियंता, गंगा कछार रीवा द्वारा परियोजना में कमियों और तकनीकी आपत्तियों के निराकरण के निर्देश दिए गए थे। आवश्यक सुधारों के बाद संशोधित प्रस्ताव 31 दिसंबर 2024 को पुनः प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात 3 जनवरी 2025 को मुख्य अभियंता कार्यालय द्वारा प्रस्ताव को प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग भोपाल के पास अग्रेषित कर दिया गया। वर्तमान में यह योजना प्रशासनिक स्वीकृति के लिए उच्च स्तर पर विचाराधीन है।

4 गांव की 231 हेक्टेयर भूमि होगी सिंचित

परियोजना के पूर्ण होने पर लगभग 1.185 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) क्षमता का जलाशय निर्मित होगा, जिससे 231 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इसका लाभ राजा कछार, देवगवां, बेलिया बडी सहित आसपास के क्षेत्रों के लगभग 300 किसानों को मिलने के साथ ही वह दो फसली खेती कर सकेंगे वर्तमान में यहां के किसान सिर्फ वर्षा आधारित खेती कर रहे हैं। राजा कछार जलाशय के बन जाने से यहां के ग्रामीणों को इसका काफी लाभ प्राप्त होगा और इसी को देखते हुए कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने ग्रामीणों की मांग पर ही मुख्यमंत्री के जिले में प्रथम आगमन पर यह मांग उनसे की थी जिस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत ही इसकी स्वीकृति देते हुए योजना की घोषणा भी की थी। ग्रामीणों का इस पर कहना है कि क्षेत्र में सिंचाई के साधन उपलब्ध नहीं है ऐसे में राजा कछार में स्थित नाले पर जलाशय का निर्माण यदि कर दिया जाता है तो वर्षा जल को संग्रहित कर इसका उपयोग कृषि कार्य में किया जा सकता है।

इनका कहना है

डीपीआर तैयार कर भेजा गया था जिस पर कमी पाए जाने पर विभाग ने इस पर जवाब मांगा था। वरिष्ठ कार्यालय स्तर पर इसकी अनुमति अभी लंबित है।

कामता प्रसाद कड़ियाम
कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन विभाग, अनूपपुर

स्कूल-मंदिरों के आसपास तक शराब बिक्री के आरोप

श्रमिक नगर सहित गांवों में जांच की मांग

कोतमा। क्षेत्र में शराब दुकानों पर प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूले जाने और कथित रूप से पैकारी के माध्यम से गांव-गांव शराब बिक्री किए जाने के आरोपों को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। क्षेत्रवासियों ने आबकारी विभाग एवं जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि श्रमिक नगर सहित आसपास के कई गांवों में शराब दुकानों से अवैध रूप से शराब की सप्लाई की जा रही है। नागरिकों का कहना है कि निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर शराब बेचे जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, वहीं कथित पैकारी व्यवस्था के जरिए गांव-गांव शराब पहुंचाई जा रही है। आरोप यह भी हैं कि कुछ स्थानों पर स्कूलों और मंदिरों के आसपास तक शराब की बिक्री हो रही है, जिससे सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों के अनुसार इन गतिविधियों में शराब ठेकेदार वीरेन्द्र राय सहित कुछ अन्य लोगों के नाम भी चर्चा में हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार मिल रही शिकायतों के कारण लोगों ने मामले की गंभीर जांच की मांग उठाई है। नागरिकों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह आबकारी नियमों का खुला उल्लंघन है और इससे युवाओं तथा समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने आबकारी विभाग से शराब दुकानों की नियमित निगरानी, बिक्री रजिस्टर एवं बिलों की जांच तथा स्टॉक सत्यापन कराने की मांग की है। उनका कहना है कि निष्पक्ष जांच से ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि शिकायतों पर शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो जनहित में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। लोगों का कहना है कि प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गांवों में हो रही कथित अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने के लिए सुख्त कदम उठाने चाहिए।

इनका कहना है

शराब दुकानों में प्रिंट रेट से अधिक मूल्य पर बिक्री अथवा कथित पैकारी की शिकायतें प्राप्त होने पर संबंधित मामलों की जांच कराई जाएगी। इस प्रकार की शिकायतें हमें पहले भी मिली हैं, जिन पर हमारी जांच जारी है। जहां तक गली-गली में अवैध शराब बिक्री की बात है, इस पर संज्ञान लेते हुए हमने बीते दिनों बनिया टोला, कोतमा में कार्रवाई की है और आगे भी कार्रवाई करते रहेंगे। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कृष्णकांत उईके
आबकारी अधिकारी, कोतमा

प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान कर किया गया सम्मानित

चचाई। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई स्थित एटीपीएस परिसर में रेड स्पोर्ट एमपी द्वारा आयोजित समर कैंप का समापन 19 जून को अत्यंत उत्साहपूर्ण, प्रेरणादायी एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ समापन अवसर पर बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों एवं दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम में प्रतिभागी बच्चों को प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। वर्ष 2007 में स्थापित रेड स्पोर्ट एमपी मध्यप्रदेश की अग्रणी खेल अकादमियों में से एक है, जो निरंतर बच्चों एवं युवाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। संस्थापक अजय डांगी के कुशल नेतृत्व में यह अकादमी खेल प्रशिक्षण के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं स्वस्थ जीवनशैली जैसे जीवनोपयोगी मूल्यों के विकास हेतु भी सतत प्रयासरत है इस समर कैंप की शुरुआत उस अवसर पर हुई, जब एटीपीएस यूनिट के लगातार 500 दिन सफल संचालन के उपलक्ष्य में जनरेशन कंपनी के एमडी मनजीत सिंह का चचाई आगमन हुआ इसी दौरान अधीक्षण अभियंता अविनाश सिंह द्वारा समर कैंप आयोजन हेतु अनुमति प्राप्त की गई, जिसने इस महत्वपूर्ण आयोजन को मूर्त रूप देने में आधारशिला का कार्य किया। रेड स्पोर्ट एमपी का यह समर कैंप, अधीक्षण अभियंता अविनाश सिंह के अथक प्रयासों तथा ताप विद्युत गृह चचाई के ईडी तनवीर अहमद के संरक्षण में चचाई में आयोजित किया जा सका। स्थानीय बच्चों को

खेल, फिटनेस एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने में अविनाश सिंह की सक्रिय भूमिका विशेष रूप से प्रशंसनीय रही। उनके सतत समन्वय, प्रतिबद्धता और सकारात्मक पहल ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समर कैंप के दौरान बच्चों को विभिन्न खेल गतिविधियों के साथ-साथ मनोरंजक एवं शिक्षाप्रद कार्यक्रमों में भी सहभागी बनाया गया। इसी क्रम में बच्चों के लिए पिकनिक का आयोजन भी किया गया, जिससे उनमें उत्साह, पारस्परिक सहयोग, सहभागिता एवं टीम भावना का और अधिक विकास हुआ। कैंप के सफल संचालन में मोहम्मद शहदत हुसैन, उमा इनवाती, रोहन इनवाती एवं श्रेया सिंह का सराहनीय योगदान रहा। इनके मार्गदर्शन में बच्चों ने खेल कौशल के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, टीमवर्क एवं व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण गुण भी आत्मसात किए। समापन समारोह में विशेष अतिथि के रूप में ताप विद्युत गृह के ईडी तनवीर अहमद, जितेंद्र सिंह, लायंस क्लब अनूपपुर के अध्यक्ष कौशलेंद्र सिंह तथा मेगामाइंड स्कूल अनूपपुर के निदेशक आकाश सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने इस प्रकार के आयोजनों को समाज एवं क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम की सफलता में मनीष दौलतानी, बलराम जाटव, अजय परतेती, अजीत यादव, बोस अनुरागी एवं अन्य सहयोगियों का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। समापन अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने समर कैंप की उपयोगिता, अनुशासित संचालन और बच्चों पर इसके सकारात्मक प्रभाव की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अभिभावकों के विशेष आग्रह पर रेड स्पोर्ट एमपी के निदेशक द्वारा आगामी सत्र में 01 अप्रैल से पुनः समर कैंप प्रारंभ करने की सहमति प्रदान की गई। रेड स्पोर्ट एमपी आज केवल एक खेल अकादमी नहीं, बल्कि बच्चों और युवाओं के सपनों को नई दिशा देने वाला एक सशक्त मंच बन चुका है। "खेल से व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन से सफलता और मेहनत से उपलब्धि" यही संस्था की मूल पहचान है, और इसी भावना के साथ यह संस्थान भविष्य में भी खेल प्रतिभाओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने हेतु निरंतर कार्य करता रहेगा।

खबर संक्षेप

रेल नीर सप्लाई करने वाले ट्रक चालकों को नशे की हालत में पकड़ा

कटनी। कोतवाली पुलिस ने दो दिनों के भीतर 'रेल नीर' (रेलवे के आधिकारिक पेयजल) की सप्लाई करने वाले दो बड़े ट्रकों को पकड़ा है। हैरान कर देने वाली बात यह है कि दोनों ही मामलों में ट्रक चालक भारी नशे की हालत में वाहन चला रहे थे। हालांकि दो दिन एक जैसा मामला सवाल जरूर उठा रहा है। मामले की पुष्टि करते हुए कोतवाली थाना प्रभारी राखी पांडे ने बताया कि पकड़े गए दोनों मामलों में ट्रक चालक शराब के नशे में गाड़ी चला रहे थे। यह सीधे तौर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का गंभीर मामला है, जिससे सड़क पर अन्य लोगों की जान को बड़ा खतरा हो सकता था। दोनों वाहनों को जब्त कर चालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, मामला दर्ज

कटनी। बाकल थाना क्षेत्र के ग्राम बरतरी में रविवार की रात दो पक्षों के बीच जमकर विवाद और मारपीट हुई। घटना को लेकर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार पहले पक्ष की ओर से सचिन कुमार चौधरी 20 वर्ष की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अब्बू चौधरी और राजा चौधरी के खिलाफ घर के सामने गाली-गलौज और लाठी-डंडों से मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। इस घटना में सचिन और रामगोपाल चौधरी को चोटें आई हैं। दूसरे पक्ष से अमन चौधरी 20 वर्ष की शिकायत पर पुलिस ने सचिन चौधरी और तुलसी चौधरी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। अमन ने आरोप लगाया कि उक्त आरोपियों ने उसके घर के सामने गाली-गलौज कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

नगर निगम में आज होगी महापौर जनसुनवाई

कटनी। शहरवासियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से आयोजित की जा रही महापौर जनसुनवाई अब एक भरोसेमंद और प्रभावी व्यवस्था के रूप में स्थापित हो चुकी है। यह पहल नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित कर समाधान की प्रक्रिया को सरल और तेज बना रही है। आज 23 जून, मंगलवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में महापौर जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शहर के नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन लेकर सीधे महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के समक्ष उपस्थित होकर अपनी बात रख सकेंगे। महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को सुगम, सहज और समयबद्ध समाधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई के माध्यम से न केवल समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाता है, बल्कि संबंधित विभागों को मौके पर ही निर्देश देकर उनके त्वरित निराकरण की प्रक्रिया भी शुरू की जाती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निगम प्रशासन लगातार इस दिशा में प्रयासरत है ।

नशा व्यक्ति ही नहीं परिवार को प्रभावित करता है

जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश के सहयोग से वाल्मी संस्था द्वारा संचालित नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा प्रशिक्षित वालंटियर्स के माध्यम से लोगों तक प्रभावी संदेश पहुंचाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्माकुमारी संस्थान की प्रतिनिधि दीदी, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उप संचालक अमन दुबे, राज्य स्तरीय समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर डॉ. अतुल कुमार रायजादा तथा वाल्मी संस्था के नीरज बंदेल द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राज्य स्तरीय समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर डॉ. अतुल कुमार रायजादा ने कहा कि अधिकांश युवा गलत संगति के कारण नशे की गिरफ्त में आते हैं तथा नशे की शुरुआत अक्सर मित्रों के प्रभाव से होती है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। इसलिए समाज में सतत जनजागरूकता अभियान चलाने तथा युवाओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में मास्टर वालंटियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में विभिन्न प्रकार के नशों एवं उनके शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। उप संचालक श्री अमन दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को समय-समय पर उचित परामर्श एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना आवश्यक है, जिससे वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रह सकें। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्थान की प्रतिनिधि ने कहा कि नशा पीड़ित व्यक्तियों के लिए परिवार से भावनात्मक जुड़ाव अत्यंत आवश्यक है। जो लोग परिवार से भावनात्मक रूप से नहीं जुड़ पाते, उनके नशे की ओर आकर्षित होने की संभावना अधिक रहती है। उन्होंने नशे को समाज के लिए एक विष बताते हुए इसके उन्मूलन हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। गायत्री परिवार की श्रीमती सुमन सोनी ने गायत्री परिवार एवं गायत्री मंत्र के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर गायत्री परिवार, ब्रह्माकुमारी संस्थान तथा आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़े प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अतुल कुमार रायजादा ने किया। कार्यक्रम में भोपाल से आए वाल्मी संस्था के नीरज बंदेल एवं सारथी श्री अरुण मीना भी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागी वालंटियर्स का भारत सरकार द्वारा संचालित ष्नशामुक्त मित्रष पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराया गया। इस अवसर पर श्री ओमकांत शुक्ला एवं उनकी टीम सहित विवेकानंद पैरामेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी मास्टर वालंटियर्स को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। अंत में दीपक साहू ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर एवं सीईओ ने सुनी 139 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए 139 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा उनके निराकरण हेतु संबंधित विभागों को आवेदन प्रेषित किए। जनसुनवाई में लाला सिंह, ग्राम चिल्हारी ने रास्ता एवं भूमि संबंधी समस्या, छोटे लाल यादव, ग्राम भरौला ने 25 दिनों की मजदूरी भुगतान, तलमनिया चौधरी, ग्राम सलैया ने पुत्री के उपचार हेतु आर्थिक सहायता, सुनील सिंह, ग्राम झांपी ने मेढ़ काटकर जल निकासी कराने, रश्मि रैदास, ग्राम मझगवां ने मुख्यमंत्री कल्याणी पेंशन योजना का लाभ दिलाने, गणेश सिंह मुंडा ने भूमि सीमांकन हेतु टीम गठित कर कार्रवाई कराने, लक्ष्मी धुर्वे, नर्सिंग ऑफिसर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धमोखर ने प्रथम समयमान वेतनमान का लाभ प्रदान करने, गया प्रसाद तिवारी, ग्राम ददरी ने अप्रैल 2026 से वृद्धावस्था पेंशन न मिलने, दुअसिया प्रजापति, ग्राम बड़ार ने आवासीय पट्टा प्रदान करने तथा पिंकी रैदास, भानू कोल, मूलचंद, गेंदलाल एवं करिश्मा सहित ग्राम देवरा के ग्रामीणों ने सडक़ निर्माण कार्य पुनः कराए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती रीता डेहरिया, संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, तहसीलदार बांधवगढ़ दिलीप सोनी सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

एकलव्य पैंथर्स राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता 2026 का सफल आयोजन

बालक वर्ग में राघवेंद्र टाइगर्स एवं बालिका वर्ग में अर्वा क्वींस की टीम बनी विजेता

अनूपपुर। एकलव्य पैंथर्स खो-खो चैंपियनशिप अनूपपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता 2026 का भव्य समापन 20 जून को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। 18 जून से प्रारंभ हुई इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई बालक एवं बालिका टीमों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मैदान पूजन के साथ किया गया था। कार्यक्रम आयोजक विवेक यादव, इमरान खान के नेतृत्व अकादमी के अध्यक्ष आदर्श दुबे के मार्गदर्शन में तीन दिनों तक चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीम भावना एवं खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खेल प्रेमियों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के अंतिम परिणामों में बालिका वर्ग में टीम अर्वा क्वींस (रईस खान) विजेता रही। जबकि आशुतोष स्टार गर्ल्स की टीम उपविजेता बनी। वहीं बालक वर्ग में राघवेंद्र

टाइगर्स ने विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया तथा जितेंद्र वॉरियर्स उपविजेता रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश खो-खो संघ के प्रदेश सचिव संजय यादव ने की। विशिष्ट अतिथियों में जितेंद्र भट्ट (जिला उपाध्यक्ष भाजपा), भाजपा मंडल अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी, वार्ड 7 की पार्षद श्रीमती प्रवीण त्रिपाठी, भाजपा नेता अरुण सिंह, प्रवीण चौरसिया, मयंक त्रिपाठी, मनीष भोजवानी एवं जिले के पीटीआई गण उपस्थित रहे। खो खो संघ के प्रदेश सचिव संजय यादव ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं जिले के खिलाड़ियों को नई पहचान प्रदान करती हैं। प्रतियोगिता के संरक्षक एवं एकेडमी अध्यक्ष आदर्श दुबे ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, प्रायोजकों, सहयोगी संस्थाओं, खेल प्रेमियों, स्वयंसेवकों एवं नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अनूपपुर में पहली बार आयोजित यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता जिले के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। आयोजक मंडल में विवेक कुमार यादव एवं मो. इमरान एवं खेल प्रशिक्षिका साक्षी पाठक, शिवानी केशरवानी, शालिनी शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं प्रतियोगिता को सफल बनाने में प्रायोजकों के रूप में श्रीमती प्रवीण त्रिपाठी, रईस खान, जीतेंद्र भट्ट, मयंक त्रिपाठी, प्रो राघवेंद्र सिंह (राघवेंद्र टाइगर्स), तेजभान सिंह, पवन कुमार चीनी (पवन वेंडर्स), अर्जुन सिंह एवं आशुतोष तिवारी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। समापन अवसर पर सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों को मध्य प्रदेश खो-खो संघ के सचिव संजय यादव एवं आयोजक मंडल द्वारा ट्रॉफी, मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के प्रसन्नता, उत्साह का माहौल देखने मिला। कार्यक्रम का सफल संचालन खेल प्रशिक्षक संजय राठौर द्वारा किया गया।

शहडोल नगर पालिका में अंधेर नगरी चौपट राजा

बीजेपी पार्षदों की ही हो रही उपेक्षा, नेता प्रतिपक्ष ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

शहडोल। नगरपालिका परिषद शहडोल में विकास के दावों की हवा पूरी तरह निकल चुकी है, स्थिति यह है कि जनता तो दूर, अब खुद सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों की ही इस परिषद में कोई सुनवाई नहीं हो रही है, नगरपालिका के गैर-जिम्मेदार रवैये और कछुआ चाल कार्यशैली से आक्रोशित होकर वार्ड नंबर 29 के पार्षद व नेता प्रतिपक्ष शक्ति लक्षकार ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया है, उन्होंने दोटूक लहजे में चेतावनी दी है कि यदि उनकी जायज मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आम जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन और धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे।

हर वार्ड मूलभूत सुविधाओं से वंचित

सीएमओ को लिखे तीखे पत्र में नेता प्रतिपक्ष ने साफ कहा कि 4 वर्षों का यह कार्यकाल किसी काले अध्याय से कम नहीं रहा है, समूचे शहर के वार्डों में साफ-सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है, कचरे के ढेर लगे हैं और स्वच्छता निरीक्षक हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं, बड़े नालों की सफाई न होने से पहली ही बारिश में पूरा शहर जलमग्न होने की कगार पर खड़ा है, पिछले वर्ष की अतिवृष्टि के बाद तत्कालीन सीएमओ के निर्देश पर जलभराव वाले क्षेत्रों का भौतिक निरीक्षण कर निविदा (टेंडर) आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी इंजीनियरों ने फाइल को आगे नहीं बढ़ाया, अधिकारियों की यह लापरवाही सीधे तौर पर जनता की जिंदगी से खिलवाड़ है।

धरातल पर प्यासी जनता और खुदी सडकें

शहर के कई वार्डों में पिछले 4 सालों से पाइपलाइन विस्तार का काम ठप पड़ा है, जनता पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रही है, लेकिन जलप्रदाय प्रभारी एसी कमरों से बाहर निकलने को तैयार नहीं हैं। डामरीकरण के कार्य में भी पक्षपात का खेल चल रहा है, नगरपालिका के कुछ खास पसंदीदा वार्डों को छोडक़र शेष अन्य वार्डों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है, जिससे वरिष्ठ अधिकारियों की दुर्भावना साफ झलकती है।

ठेकेदारों पर क्यों मेहरबान है परिषद

सबसे बड़ा घोटाला तो वार्ड नंबर 29 में सामने आया है, जहां पिछले 2 वर्षों से संविदाकार मेसर्स लुकमान अली कार्यादेश मिलने के बावजूद काम छोड़ चुका है, उक्त ठेकेदार के ब्लैकलिस्ट होने के बाद भी आज तक दोबारा निविदा (टेंडर) आमंत्रित नहीं की गई। नेता प्रतिपक्ष शक्ति लक्षकार ने आक्रोश जताते हुए कहा कि पूर्व में भी मौखिक और लिखित रूप से स्वच्छता प्रभारी, लोक निर्माण शाखा के इंजीनियरों को समस्याओं से अवगत कराया गया, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात रहा, पार्षदों द्वारा एक वर्ष पूर्व दिए गए मांग पत्रों को डस्टबिन में डाल दिया गया है। अब आम जनता का धैर्य जवाब दे चुका है। यदि मांगों का तत्काल और ठोस निराकरण नहीं शुरू हुआ, तो नगरपालिका परिषद के विरुद्ध एक बड़ा और ऐतिहासिक जन-आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

किसानों को खाद-बीज सहित आवश्यक संसाधन जुटाने में मिलती है मदद

जिले के 1.67 लाख किसानों के खातों में 33.40 करोड़ रुपये की राशि अंतरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के हुगली से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत कटनी जिले के 1 लाख 67 हजार 29 किसानों के खातों में योजना की 23वीं किश्त के रूप में कुल 33 करोड़ 40 लाख 58 हजार रुपये की राशि का अंतरण किया। इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र किसान के खाते में 2 हजार रूपये की किश्त प्रदान की जाती है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 23वीं किस्त के तौर पर विजयराघवगढ़ तहसील के 28,551 किसानों को 5 करोड़ 71 लाख 2 हजार रुपये, बहोरीबंद के 27,019 किसानों को 5 करोड़ 40 लाख 38 हजार रुपये तथा ढीमरखेड़ा के 26,164 किसानों को 5 करोड़ 23 लाख 28 हजार रुपये प्रदान किए गए हैं। इसी तरह रीठी तहसील के 21,816 किसानों को 4 करोड़ 36 लाख 32 हजार रुपये की राशि अंतरित हुई है।

वहीं, बरही तहसील के 16,544 किसानों को 3 करोड़ 30 लाख 88 हजार रुपये, बड़वारा के 15,536 किसानों को 3 करोड़ 10 लाख 72 हजार रुपये तथा स्लीमनाबाद के 13,164 किसानों को 2 करोड़ 63 लाख 28 हजार रुपये दिए गए हैं। इसके अलावा कटनी नगर के 9,312 किसानों के खातों में 1 करोड़ 86 लाख 24 हजार रुपये और मुड़वारा (कटनी) के 8,923 किसानों को 1 करोड़ 78 लाख 46 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई है।

किसानों के लिये लाभकारी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को मिलने वाली आर्थिक सहायता से बीज, खाद, कीटनाशक एवं अन्य कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने में मदद मिलती है, जिससे खेती की तैयारी समय पर हो पाती है और उत्पादन बढ़ाने में भी सहयोग मिलता है। यह योजना किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह योजना छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है।

हाईवे में लखापतेरी के पास वाहन चालक पर चाकू से किया हमला

हरिभूमि न्यूजः कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत जबलपुर-कटनी बाईपास रोड पर रविवार की दरमियानी रात लखापतेरी में अज्ञात बदमाशों ने एक वाहन चालक की गाड़ी के आगे अपनी गाड़ियां अड़ाकर उन्हें रोका और जान से मारने की नीयत से चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ननि द्वारा जल संरक्षण के प्रयास

शहर के विभिन्न स्थलों में 113 सोक पिट निर्माण, 62 कुओं की हुई सफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत निगम प्रशासन द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में जल संरक्षण संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के साथ संपादित किया जा रहा है। अभियान के तहत जल के प्रभावी संचयन एवं भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए नगर के विभिन्न सार्वजनिक हैंडपंप स्थलों पर सोक पिट निर्माण के साथ ही पुरानी जल संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धारा का कार्य किया जा रहा है।

नगर निगम के जल प्रदाय विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री सुधीर मिश्रा नें जानकारी देते हुए बताया कि जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु चलाये जा रहे इस महत्वपूर्ण अभियान के तहत नगर के विभिन्न वार्डों में स्थापित हैंडपंपों एवं अन्य प्रमुख स्थलों पर कुल 113 सोक पिटों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इन सोक पिटों के माध्यम से हैंडपंप के माध्यम से व्यर्थ बहनें वाले पानी सहित वर्षा जल को सीधे भूमि में समाहित कर भू-जल स्तर बढ़ाने में सहायता मिलेगी, साथ ही जलभराव की समस्या में भी कमी आएगी। यह पहल जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी।

कुओं की हुई सफाई

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के क्रम में नगर क्षेत्र के 62 पारंपरिक कुओं की सफाई का कार्य

कराया गया है। अभियान के तहत कुओं से गाद, कचरा एवं अन्य अवांछित सामग्री हटाकर उनकी जलधारण क्षमता बढ़ाने का प्रयास किया गया है। निगम प्रशासन द्वारा किए गए इस कार्य से वर्षा जल के बेहतर संचयन में सहायता मिलेगी तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। साथ ही पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण से भविष्य में जल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। निगम प्रशासन द्वारा जल संरक्षण के प्रति नागरिकों को भी जागरूक किया जा रहा है तथा सभी से जल स्त्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई है।

अभियान के तहत संचालित जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से भी जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने तथा वर्षा जल संचयन एवं जल के विवेकपूर्ण उपयोग को अपनाने की अपील की गई है।

वार्ड क्रमांक 19 में चला फॉगिंग अभियान

मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु निगम प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे फागिंग अभियान के तहत बाबू जगजीवन राम वार्ड के विभिन्न मुख्य एवं अन्य मार्गो में फागिंग मशीन के माध्यम से रासायनिक धुंए का छिडकाव किया जाकर मच्छर जनित बीमारियों के प्रसार पर नियंत्रण के प्रयास किये गए। नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन व्यवस्था उपलब्ध हो सके इस हेतु निगम प्रशासन की हाकां टीम द्वारा अभियान चलाकर नगर के मुख्य एवं अन्य मार्गो में विचरण करने वाले घुमंतू मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस भेजने की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत रविवार रात्रि लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, इंदिरा गांधी वार्ड, चन्द्रशेखर आजाद वार्ड, के मुख्य मार्ग में अभियान चलाकर मार्गो में बैठे मवेशियों को हांका लगाकर मार्ग से किनारे करने की कार्यवाही की गई।

शांति पूर्वक मनायें मोहर्रम का त्यौहार

ब्यौहारी। थाना में थाना प्रभारी के अगुवाई में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई बैठक में थाना प्रभारी द्वारा बताया गया कि 25 जून , और 26 जून को मोहर्रम का त्यौहार मनाया जाएगा 26 जून को 4:30 बजे ताजिया का जुलूस निकाला जाएगा जो मस्जिद से होकर बनसुकली चौराहा तक जाएगा उल्लेखनीय की मोहर्रम का त्यौहार कर्बला में शहीद हुए इमाम हुसैन की याद में मनाया जाता है जिन्होंने यजीदों से लड़ते हुए अपनी शहादत दी थी इस त्यौहार को अपने ब्यौहारी क्षेत्र में शांतिपूर्ण वक्त मनाएं। -गायब रहे अन्य विभागों के अधिकारी-पिछले कुछ बैठकों से देखने में आ रहा है कि शांति की समिति की बैठक में पुलिस को छोड़कर नगर पालिका ,विजली, राजस्व एवं अन्य विभागों के अधिकारी नहीं पहुंच रहे हैं जबकि शांति समिति की बैठक क्षेत्र के लोगों को अन्य विभागों से जोड़ने का एक माध्यम भी है अधिकारियों का इसके माध्यम से जनता से परिचय भी होता है उनका कार्य सुगम होता है लेकिन शांति समिति की बैठक से अन्य विभागों के अधिकारियों की दूरी बनाने से गलत संदेश जा रहा है जिस पर जिला प्रशासन को ध्यान देना चाहिए की शांति समिति की बैठक में हर एक विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

दूध के उचित मूल्य की मांग को लेकर किसानों की शांतिपूर्ण रैली

अनूपपुर। दूध के उचित मूल्य की मांग को लेकर जिले के दुग्ध उत्पादक किसानों ने आज एक विशाल एवं शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया। रैली का शुभारंभ तुलसी कॉलेज, अनूपपुर से किया गया, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए सामतपुर में संपन्न हुई। रैली में बड़ी संख्या में दुग्ध उत्पादक किसान शामिल हुए और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। किसानों ने बताया कि पशुपालन की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि दूध का मूल्य लंबे समय से नहीं बढ़ाया गया है। किसानों की प्रमुख मांग है कि गाय के दूध का मूल्य 60 रुपये प्रति लीटर तथा भैंस के दूध का मूल्य 70 रुपये प्रति लीटर निर्धारित किया जाए, ताकि पशुपालकों को उनकी मेहनत का उचित प्रतिफल मिल सके। रैली के दौरान जिले के सभी डेयरी संचालकों को ज्ञापन एवं चेतावनी दी गई कि दूध का क्रय मूल्य तत्काल बढ़ाया जाए। किसानों ने स्पष्ट कहा कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है, तो 25 जून 2026 से दूध की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। दुग्ध उत्पादक संघ, जिला अनूपपुर के किसानों ने कहा कि जब तक दूध का उचित मूल्य नहीं बढ़ाया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने सभी दुग्ध उत्पादक किसानों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई में सहयोग करने की अपील की।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने 63 आवेदनों में की सुनवाई

अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित किया गया। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 63 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर सुश्री प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। ग्राम बम्हनी तहसील अनूपपुर के निवासी अर्चना बैगा ने पात्रतानुसार बैगा आहार योजना का लाभ दिलाए जाने, ग्राम कुसियरा तहसील अनूपपुर के निवासी सोनू यादव ने लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं गरीबी रेखा के नीचे राशन कार्ड बनवाए जाने, ग्राम हरद तहसील अनूपपुर की निवासी श्रीमती दामिनी सिंह ने छात्रावास दिलाए जाने, ग्राम पाटन तहसील जैतहरी की निवासी श्रीमती गीता बाई चौधरी ने सीमांकन कराए जाने, जैतहरी वार्ड नंबर-14 के निवासी जीवन लाल चौधरी ने अनुकंपा नियुक्ति दिलाए जाने, ग्राम कोठारी नंबर-1 तहसील कोतमा के निवासी मुकेश तिवारी ने पशुधन हानि पर सहायता राशि दिलाए जाने, ग्राम सुईडांड तहसील कोतमा के निवासी बाबूलाल ने ओलावृष्टि के कारण फसल क्षति हेतु सहायता राशि दिलाए जाने, तहसील कोतमा के बरगवां निवासी श्रीमती मुन्नी भरिया ने नक्शा तरमीम कराए जाने तथा नगर परिषद ढोला वार्ड नंबर 2 फगुना कोल ने एसईसीएल की भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा दिलाए जाने हेतु आवेदन दिए।

जयनिल की अंतिम विदाई में उमड़ा जन सैलाब, हजारों लोगों ने नम आंखों से दी विदाई

लखनऊ अग्निकांड में बुझ गया अनूपपुर का चिराग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/भालूमाड़ा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड ने मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले सहित भालूमाड़ा क्षेत्र को गहरे शोक में डुबो दिया है। हादसे में जान गंवाने वाले जयनिल चक्रवर्ती का पार्थिव शरीर मंगलवार को उनके गृह नगर पहुंचा, जहां अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। एक होनहार युवा की असमय मृत्यु ने पूरे कोयलांचल क्षेत्र को शोकाकुल कर दिया और अंतिम विदाई के दौरान हर आंख नम दिखाई दी।

लखनऊ की आग में खत्म हो गए सुनहरे सपने

सोमवार को लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र स्थित एक भवन में लगी भीषण आग ने कई परिवारों को गहरे जख्म दिए है। इसी हादसे में भालूमाड़ा निवासी जयनिल चक्रवर्ती की भी दर्दनाक मौत हो गई है। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ ही मिनटों में पूरा परिसर धुएं और लपटों से घिर गया रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही जयनिल के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, वहीं पूरे भालूमाड़ा और जमुना-कोतमा क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

आईटी क्षेत्र में बना रहे थे अपनी अलग पहचान

जयनिल चक्रवर्ती एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्रीय अस्पताल में पदस्थ एक्स-रे टेक्निशियन जयंत चक्रवर्ती के ज्येष्ठ पुत्र थे। वे पिछले लगभग तीन वर्षों से लखनऊ में गेम डेवलपर के रूप में कार्यरत थे। तकनीकी क्षेत्र में उनकी प्रतिभा और कार्यशैली की सराहना की जाती थी। परिजनों के अनुसार वे परिवार की उम्मीदों का केंद्र थे और अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे थे। उनकी असमय मृत्यु ने परिवार के साथ-साथ उन सभी लोगों को गहरा आघात पहुंचाया है जो उन्हें करीब से जानते थे।

अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

मंगलवार को जब जयनिल का पार्थिव शरीर भालूमाड़ा पहुंचा तो पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल छा गया था। अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोग उनके निवास पहुंचे हुए थे। अंतिम यात्रा में अभूतपूर्व जनसमूह देखने को मिला, जहां हर वर्ग और हर आयु के लोग अपने प्रिय युवा को अंतिम विदाई देने पहुंचे हुए थे। लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। अंतिम संस्कार में नगर परिषद पसान अध्यक्ष रामअवध सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे है। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए इसे क्षेत्र की अपूरणीय क्षति बताया है।

पूरे जिले ने खोया अपना एक होनहार युवा

पड़ोसियों, मित्रों और परिचितों ने जयनिल को एक संस्कारी, विनम्र और प्रतिभाशाली युवक बताते हुए कहा कि उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। जिस युवा ने अपने सपनों और मेहनत के बल पर आईटी क्षेत्र में पहचान बनाई थी, उसकी असमय मृत्यु ने पूरे जिलेभर को झकझोर दिया है। लोगों का कहना है कि जयनिल केवल अपने परिवार का सहारा नहीं थे, बल्कि जिलेभर के युवाओं के लिए प्रेरणा भी थे। लखनऊ अग्निकांड की यह त्रासदी भालूमाड़ा और पूरे जमुना-कोतमा क्षेत्र के लिए एक ऐसी दर्दनाक स्मृति बन गई है, जिसे लंबे समय तक भुलाया नहीं जा सकेगा। हजारों लोगों की मौजूदगी में हुई उनकी अंतिम विदाई इस बात का प्रमाण थी कि जयनिल ने कम उम्र में ही लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान बना लिया था।

पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि, डंडे-रॉड से पीटकर तोड़े हाथ-पैर, आरोपी फरार

अनूपपुर। जिले के भालूमाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुना कॉलरी वार्ड क्रमांक-07 स्थित बंकिम बिहार में 42 वर्षीय महिला की संदिग्ध मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सनसनीखेज खुलासा किया है। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में महिला की मौत का कारण गंभीर चोटों के कारण हुआ आंतरिक रक्तस्राव बताया गया है। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी सफीक खान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है, जिसकी पुलिस लगातार तलाश कर रही है। भालूमाड़ा थाना प्रभारी उमेश उपाध्याय ने बताया कि पोस्टमार्टम के दौरान मृतका के शरीर पर कई गंभीर चोटों के निशान पाए गए। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार महिला पर किसी मजबूत डंडे, लाठी या लोहे की रॉड से बेरहमी से हमला किया गया था। हमले में उसके दोनों हाथों और पैरों की हड्डियां टूट गई थीं, जबकि सिर पर आई गंभीर चोटें जानलेवा साबित हुईं। चिकित्सकीय जांच में स्पष्ट हुआ कि अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव के कारण उसकी मृत्यु हुई। पुलिस के अनुसार मृतका जानकीबाई गोंड (42) निवासी हरद, पिछले लगभग तीन वर्षों से अपने पति से अलग होकर सफीक खान के साथ रह रही थी। सोमवार को उसका शव उसी घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल की परिस्थितियों और शरीर पर मिले चोटों के निशानों को देखकर शुरू से ही हत्या की आशंका थी, जिसकी पुष्टि अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो गई है। एससी-एसटी एक्ट लागू होने के कारण मामले की जांच अब एसडीओपी स्तर के अधिकारी द्वारा की जाएगी। वहीं पुलिस की टीमें फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं।

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों के सम्मान में जुटी कांग्रेस, आदिवासी नेतृत्व को मजबूत करने का संकल्प

अधिकार, सम्मान और विकास हमारी प्राथमिकता-अजय सिंह

संगठन को मजबूत कर आदिवासी समाज की आवाज बुलंद करेंगे-आशुतोष सिंह मार्को

जनअधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा- विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को

अनूपपुर। जिला आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आशुतोष सिंह मार्को के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन, अनूपपुर में नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा तथा सामाजिक न्याय की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक एवं जिला प्रभारी अजय सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर के अध्यक्ष ने की। विशिष्ट अतिथियों में विधायक पुष्पराजगढ़ फुंदेलाल सिंह मार्को, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, विधानसभा प्रभारी जानकी प्रसाद मिश्रा, विधानसभा प्रभारी प्रवीण सिंह, बलमीत सिंह खनूजा, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सिंह, जिला कांग्रेस के महामंत्री सत्येंद्र स्वरूप दुबे, जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र सिंह, श्रीमती भुनेश्वरी सिंह, श्रीमती किरण देवी चौधरी, जनपद पंचायत जैतहरी अध्यक्ष सहित कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों का सम्मान कर उन्हें संगठन की जिम्मेदारियों के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने का संदेश दिया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव आदिवासी, किसान, मजदूर, युवा और कमजोर वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज देश की सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक संसाधनों का वास्तविक संरक्षक है। कांग्रेस सरकारों ने वनाधिकार कानून, पेसा कानून, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में आदिवासी समाज के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं।उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आमजन की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने का आह्वान किया। जिला आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष आशुतोष सिंह मार्को ने कहा कि आदिवासी कांग्रेस का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और अधिकार पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जिले के आदिवासी अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, वनाधिकार और बुनियादी सुविधाओं के मुद्दों पर लगातार संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आदिवासी युवाओं को संगठन से जोड़ने, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, ग्राम स्तर तक संगठन का विस्तार करने तथा जल, जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों की रक्षा के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों से जनसंपर्क बढ़ाने और जनता की समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।
पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने कहा कि आदिवासी समाज के सम्मान, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा कांग्रेस पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सिंचाई और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की परंपरा, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के साथ-साथ युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार से जोड़ने की दिशा में और अधिक प्रभावी कार्य किए जाएंगे। विधायक श्री मार्को ने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के कमजोर वर्गों की आवाज बनकर कार्य करे और जनता के विश्वास को मजबूत बनाए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा समाज के वंचित, गरीब, किसान, मजदूर और आदिवासी वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज केवल हमारी संस्कृति और परंपरा का वाहक नहीं है, बल्कि विकास की मुख्यधारा में उसकी सहभागिता सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। श्रीमती प्रीति रमेश सिंह ने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही जनता की मजबूती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से गांव-गांव पहुंचकर आमजन की समस्याओं को सुनने तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा आदिवासी समाज, महिलाओं और युवाओं को नेतृत्व में आगे लाने के लिए संगठन लगातार कार्य करता रहेगा, जिससे जिले के विकास को नई दिशा मिल सके। कांग्रेस की ताकत उसके कार्यकर्ता हैं अंत में सभी अतिथियों ने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन हित में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन, आदिवासी समाज के प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

योग से शरीर, दिमाग और मन को मिलता है संपूर्ण स्वास्थ्य-शांतनु कुमार सिंह

अनूपपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे विश्व में योग के महत्व को रेखांकित किया गया। इसी क्रम में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस), बेंगलुरु में आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में 500 से अधिक कर्मचारियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि योग अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित स्वास्थ्य पद्धति के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। वर्तमान समय में अनेक शोध यह सिद्ध कर चुके हैं कि नियमित योगाभ्यास तनाव बढ़ाने वाले हार्मोन को नियंत्रित करता है, हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है तथा मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यही कारण है कि डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इसे आधुनिक चिकित्सा के सहायक उपचार के रूप में देख रहे हैं। दिमाग और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों में भी योग के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पार्किंसन रोग में शरीर का संतुलन बेहतर होता है, मिर्गी के रोगियों में तनाव कम होने से दौरे नियंत्रित करने में सहायता मिलती है, लकवे के बाद पुनर्वास प्रक्रिया में मांसपेशियों की ताकत बढ़ती है तथा ध्यान और प्राणायाम स्मरण शक्ति को बनाए रखने में मदद करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी योग की भूमिका महत्वपूर्ण है। अवसाद, चिंता, अनिद्रा और मानसिक तनाव जैसी समस्याओं में योग एवं ध्यान मन को शांत कर सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि योग चिकित्सा का विकल्प नहीं, बल्कि उसके साथ मिलकर अधिक प्रभावी परिणाम देने वाला माध्यम है। योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे हर आयु वर्ग का व्यक्ति अपना सकता है। बच्चों में एकाग्रता और अनुशासन, युवाओं में तनाव नियंत्रण तथा बुजुर्गों में जोड़ों के दर्द, अनिद्रा और अकेलेपन जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में योग उपयोगी सिद्ध हो रहा है। वहीं लंबे समय तक बैठकर काम करने वाले लोगों के लिए प्रतिदिन 15-20 मिनट का योग मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कमर दर्द जैसी समस्याओं से बचाव का सरल उपाय है। योग केवल एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार है। हमें इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वयं और अपने परिवार को बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में प्रेरित करना चाहिए। शांतनु कुमार सिंह वर्तमान में निम्हांस, बेंगलुरु में योग विषय पर पीएचडी कर रहे हैं। उन्होंने योग थेरेपी में एमएससी की उपाधि प्राप्त की है तथा दिमाग और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी विभिन्न शोध परियोजनाओं में कार्य कर चुके हैं। वे अनिल कुमार सिंह, शिक्षक एवं मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय संयोजक (जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल) के सुपुत्र हैं।

अनुभव यात्रा से प्राप्त प्रेरणा को जीवन में उतारकर जिले का नाम रोशन करें-विक्रांत मुराब

मां तुझे प्रणाम योजना से लौटे युवाओं का पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सम्मान

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली एवं पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब के मार्गदर्शन में संचालित मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत अनुभव यात्रा से लौटे प्रतिभागियों का पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सम्मान किया गया। यात्रा से लौटने पर रेलवे स्टेशन से महिला प्रतिभागियों एवं दल प्रभारी को पुलिस वाहन द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय लाया गया, जहां पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने सभी प्रतिभागियों एवं दल मैनेजर को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी ने जिले का प्रतिनिधित्व कर अनूपपुर का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने प्रतिभागियों से यात्रा के अनुभव साझा करने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में राष्ट्र प्रेम, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जगनाथ मरकाम ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि मां तुझे प्रणाम योजना युवाओं को देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं भौगोलिक विरासत से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह अनुभव यात्रा निश्चित रूप से प्रतिभागियों के व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होगी। प्रतिभागी कुमारी शिवानी राठौर ने यात्रा के अनुभव साझा करते हुए बताया कि दल सबसे पहले भोपाल पहुंचा, जहां से सांची स्तूप का भ्रमण कराया गया। इसके पश्चात रायसेन जिले के भोजपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध भोजेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन कराए गए तथा भीमबेटका की ऐतिहासिक गुफाओं का अवलोकन कराया गया। इसके बाद नर्मदापुरम में सेठानी घाट पहुंचकर मां नर्मदा के दर्शन किए गए। यात्रा के अगले चरण में प्रतिभागियों ने पचमढ़ी का भ्रमण किया, जहां जटाशंकर मंदिर, गुप्त महादेव मंदिर, हांडी खोह, इंदिरा प्वाइंट तथा दूर से चौरागढ़ मंदिर के दर्शन किए। साथ ही चंपक झील का भी आनंद लिया। प्रतिभागियों के अनुभव सुनने के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम ने कहा कि पचमढ़ी प्रदेश का एक अत्यंत रमणीय एवं प्रेरणादायक पर्यटन स्थल है, जहां की प्राकृतिक सुंदरता युवाओं को नई ऊर्जा प्रदान करती है। कार्यक्रम में दल मैनेजर दिनेश कुमार सिंह चंदेल, ब्लॉक समन्वयक जैतहरी सहित प्रतिभागी सुश्री शिवानी राठौर, सुश्री सीमा सिंह श्याम, सुश्री रितु देवी, सुश्री रितिका देवी, सुश्री सरस्वती सिंह राठौर, सुश्री अंबे गुप्ता, सुश्री हनी गुप्ता, सिफत आदिल, कुमारी अंकिता पटेल एवं सुश्री संजना सिंह तोमर उपस्थित रहीं। अंत में जिला खेल प्रशिक्षक अनूपपुर रामचंद्र यादव एवं ग्रामीण युवा समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग जैतहरी दिनेश कुमार सिंह चंदेल ने पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम को पचमढ़ी स्थित जटाशंकर महादेव मंदिर का स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

हृदय रोग से पीड़ित मासूम शिव कुमार को मिलेगा निःशुल्क इलाज

कलेक्टर के निर्देशन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम योजना के तहत भोपाल रेफर

अनूपपुर। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशील पहल से जन्मजात हृदय रोग से पीड़ति मासूम शिव कुमार टांडिया को नया जीवन मिलने की उम्मीद जगी है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बालक को उच्च स्तरीय उपचार हेतु भोपाल स्थित अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसकी ईको जांच एवं आवश्यक सर्जरी पूरी तरह निःशुल्क कराई जाएगी। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अल्का तिवारी के मार्गदर्शन में बालक को भोपाल भेजने की समुचित व्यवस्था की गई। शासन की मंशानुसार उपचार प्रक्रिया में आवागमन, आवश्यक जांचों एवं मेजर सर्जरी सहित सभी खर्च शासन द्वारा वहन किए जाएंगे, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिल सके। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में जन्मजात विकारों एवं गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर उन्हें उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि किसी भी बच्चे का उपचार आर्थिक कारणों से प्रभावित न हो। बालक के उपचार की पूरी प्रक्रिया के समन्वय में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मोहन सिंह श्याम, वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. केके बघेल तथा डॉ. एसएन पिटानिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं स्थानीय समाजसेवी गौरव पनिका ने भी समय पर रैफरल एवं आवश्यक सहयोग प्रदान कर मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। जिला चिकित्सालय अनूपपुर प्रबंधन एवं आरबीएसके टीम ने बालक शिव कुमार के सफल ऑपरेशन और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि जिले में कोई भी बच्चा इलाज से वंचित न रहे, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग निरंतर स्क्रीनिंग एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कर रहा है।